भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण

नोट - खाद्य सुरक्षा पर भारत का वैश्विक कदम

एफ.एस.एस.ए.आई ने अपने प्रयोगशाला कार्मिकों को सिंगापुर और संयुक्त राज्य अमरीका की यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड में माइकोटोक्सिनों, पेस्टीसाइड अवशिष्टों, पशु औषध अवशिष्टों के उच्च स्तरीय परीक्षण में प्रशिक्षण दिलाने के लिए ग्लोबल फूड सेफ्टी पार्टनरशिप (जी.एफ.एस.पी.) से समझौता किया है।

एफ.एस.एस.ए.आई ने जी.एफ.एस.पी. के सहयोग से पिछले वर्ष दिसंबर में पेस्टीसाइड अवशिष्टों और माइकोटोक्सिनों पर 10 प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का पहला दौर पहले ही आयोजित कर लिया है। ये प्रशिक्षक अब मास्टर ट्रेनर के रूप में काम करेंगे और देश में खाद्य परीक्षण कार्मिकों को प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय पौध स्वास्थ्य प्रबंधन संस्था (एन.आई.पी.एच.एम), हैदराबाद; सी.एफ.टी.आर.आई, मैसूर; सी.एफ.एल., कोलकाता और नासिक में एक निजी प्रयोगशाला में पुन: आयोजित करने का प्रस्ताव है। जी.एफ.एस.पी. हमारे मास्टर ट्रेनरों को सिंगापुर में दिए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसा प्रशिक्षण पशु औषध अवशिष्टों पर यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड, संयुक्त राज्य अमरीका में देने के लिए भी सहमत हो गया है।

जी.एफ.एस.पी. देश में खाद्य सुरक्षा कार्मिकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं का विस्तृत आकलन करने, अंतर्राष्ट्रीय परामर्श सेवा देने और देश की खाद्य सुरक्षा रीतियों को विश्व की उत्तम रीतियों के अनुरूप बनाने और उनके लिए मानदंड तय करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय परामर्श प्रणाली स्थापित करने के लिए एफ.एस.एस.ए.आई को तकनीकी सहायता भी देगा।

जी.एफ.एस.पी. मध्य आय वर्गीय और विकासशील देशों में खाद्य सुरक्षा में सुधार लाने के लिए समर्पित विश्व बैंक की एक अद्वितीय सरकारी-निजी पहल है। यह खाद्य सुरक्षा के प्रति विश्व स्तर पर समंजित और स्थानीय स्तर पर संचालित अभियान चलाने के लिए उत्पादकों, उद्योगों, सरकारों, विनियात्मक संस्थाओं, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और सिविल सोसायटी को एकजुट करता है। जी.एफ.एस.पी. खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग दोनों के लिए सहयोग करता है, जिससे विकासशील देश अपनी खाद्य सुरक्षा प्रणाली सुधार कर खाद्य सुरक्षा मानकों के बेहतर अनुपालन से लाभ उठा सकें।

जी.एफ.एस.पी. की विश्व बैंक, यूनिडो, एफ.ए.ओ, एफ.डी.ए, एफ.आई.ए, यू.एस.एड और वाटर्स कॉर्पोरेशंस के प्रतिनिधित्व वाली शासी परिषद् (जी.सी) के सदस्यों की बैठक नई दिल्ली में दिनांक 22 फरवरी, 2017 को हुई। इस बैठक के साथ-साथ जी.एफ.एस.पी. की शासी परिषद् के सदस्यों ने एफ.एस.एस.ए.आई और भारत में खाद्य सुरक्षा के अन्य हितधारकों के साथ 21 फरवरी, 2017 को बैठक भी की।

बैठक में भारत से एफ.एस.एस.ए.आई के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा एच.यू.एल, नेस्ले, टाटा संस, पतंजलि सहित प्रमुख अग्रणी उद्योगों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों, सी.आई.आई, फिक्की और आई.सी.एम.आर, आई.सी.ए.आर तथा सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वायर्नमेंट के वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया।

डॉ. नवीन बेल्टे, जी.एफ.एस.पी. की शासी परिषद् के अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में भारत में हितधारकों द्वारा खाद्य सुरक्षा के मुद्दे को आगे बढ़ाए जाने के तरीके की अत्यधिक प्रशंसा की और कहा कि यह विश्व में अनूठा है और सरकारी तथा निजी क्षेत्र की भागीदारियाँ इन मुद्दों को हल करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

श्री आशीष बहुगुणा, अध्यक्ष, एफ.एस.एस.ए.आई ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत की खाद्य प्राधिकरण अपेक्षतया नई है और भारत को विश्व में अपनाई जा रही उत्तम रीतियों से सीखने के बहुत अवसर हैं।

श्री पवन अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एफ.एस.एस.ए.आई ने अपने प्रस्तुतीकरण में अत्यधिक व्यापक और सुव्यवस्थित ढंग से खाद्य सुरक्षा और सवच्छता के मुद्दों से निपटने के लिए एफ.एस.एस.ए.आई द्वारा की गई पहलों और उठाए गए कदमों का ब्यौरा दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जी.एफ.एस.पी. के साथ खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षण से आरंभ हुआ सहयोग आने वाले वर्षों में और अधिक बढ़ेगा और भारत विश्व भर में सभी के लिए खाद्य सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

जी.एफ.एस.पी. के अतिरिक्त एफ.एस.एस.ए.आई ने खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए विभिन्न देशों के साथ अंतर्राष्ट्रीय भागीदारियाँ की हैं, जिनमें जर्मनी, फ्रांस, नीदरलैंड्स और न्यूजीलैंड की खाद्य प्राधिकरणों के साथ किए गए एम.ओ.यू/संयुक्त स्टेटमेंटें शामिल हैं। एफ.एस.एस.ए.आई भारत में खाद्य विनियात्मक प्रणाली के मानदंड विश्व स्तरीय बनाने के लिए संयुक्त राज्य अमरीका, कनाडा और सिंगापुर सहित अन्य देशों के खाद्य सुरक्षा प्राधिकारियों के साथ भी निकट से कार्य कर रही है।

****